चाय बागानों का मशीनीकरण

- यद्यपि कांगड़ा घाटी में चाय का कुल क्षेत्र 2310 हैक्टेयर है, लेकिन उसे आधे भाग का ही रखरखाव हो पाता है।
- चाय की खेती श्रमिकों की अधिक संख्या पर ही निर्भर है जिसकी लागत 70 प्रतिशत है, लेकिन आज श्रमिकों की उपलब्धता आधी भी नहीं है।
- खेती की उच्च लागत

समाधान : चाय बागानों का मशीनीकरण

हस्त शेयर द्वारा तुड़ाई

एक एवं दो व्यक्तियों द्वारा चलित मशीनें

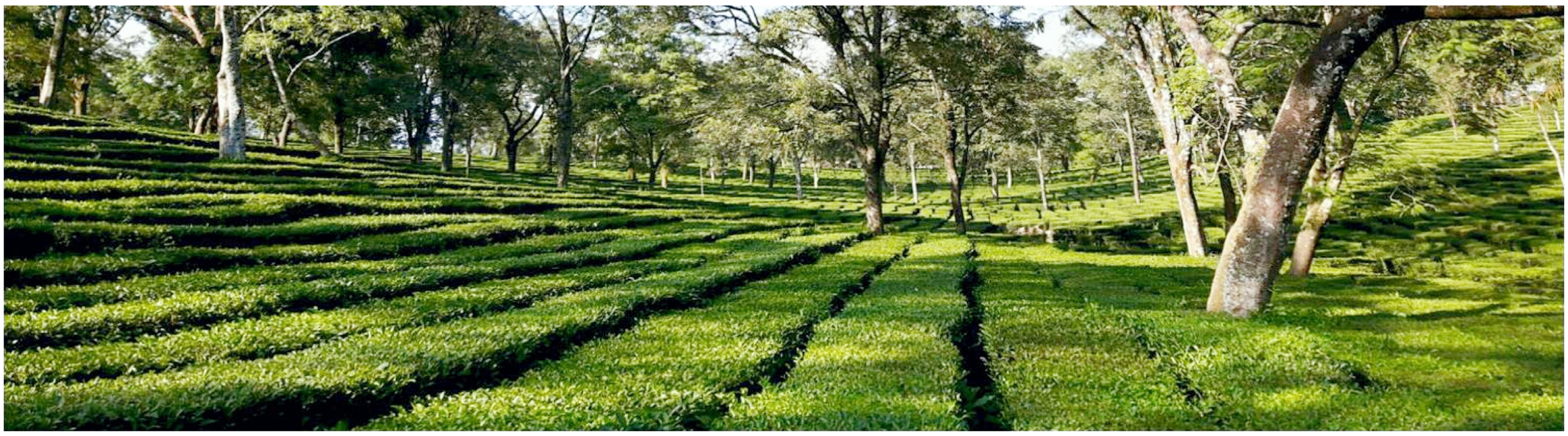

कांगड़ा घाटी में मशीनीकृत चाय बागान

लक्ष्य

- चाय बागानों में श्रमिकों का मांग को 10 प्रतिशत तक सीमित करना
- तुड़ाई की लागत को घटा कर आधा करना व अधिक लाभ कमाना

संस्थान की भूमिका

- बेहतर गुणवत्ता एवं उत्पादकता, चाय कझाडियों के स्वास्थ्य के लिए काटछांट, पोषण प्रबन्धन, तुड़ाई तकनीक जैसी कृषि तकनीकों को विकसित करना
- चाय की कम ग्रेड की पत्तियों से मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार करना

सीएसआईआर–हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान
CSIR-Institute of Himalayan Bioresource Technology

पालमपुर, हिमाचल प्रदेश, 176061 (भारत)
Palampur, Himachal Pradesh, 176061 (INDIA)

दूरभाष : 01894–230411 फैक्स : 01894–230433
E-mail: director@ihbt.res.in; Website http://www.ihbt.res.in